

शीतपाकी पुं. (तत्.) 1. अष्टवर्गीय ओषधि जिसे काकोली कहा जाता है 2. घुँघची 3. अतिबला, ककही।

शीतपित्त पुं. (तत्.) 1. ऐसा शीतकालीन रोग जिसमें पूरे शरीर में छोटे-छोटे चकत्ते निकल आते हैं तथा उनमें खुजली भी होती है 2. जुड़पित्ती। urticaria

शीतपुष्प पुं. (तत्.) 1. छरीला, शैलेय 2. केवटी मोथा 3. सिरिस का पेड़।

शीतपुष्पा स्त्री. (तत्.) ककही, अतिबला।

शीतपूतना स्त्री. (तत्.) 1. भावप्रकाश में इसे एक बालरोग बताया गया है 2. एक प्रकार का बाल ग्रह।

शीतप्रभ पुं. (तत्.) 1. चंद्रमा 2. कपूर।

शीतफल पुं. (तत्.) 1. गूलर 2. पीलू 3. अखरोट 4. आँवला 4. लिसोड़ा।

शीतभानु पुं. (तत्.) चंद्रमा।

शीतमयूख पुं. (तत्.) 1. चंद्रमा 2. कपूर।

शीतमरीचि पुं. (तत्.) 1. चंद्रमा 2. कपूर।

शीतमेह पुं. (तत्.) एक तरह का प्रमेह रोग।

शीतमेही पुं. (तत्.) वह व्यक्ति जिसे शीतमेह रोग हो गया हो।

शीतयुद्ध पुं. (तत्.) दो या अधिक राष्ट्रों में परोक्ष रूप से चल रहा ऐसा युद्ध जिसके द्वारा प्रत्येक राष्ट्र अपने को सशक्त बनाने तथा शक्ति को प्रदर्शित करने के लिए तरह तरह के राजनीतिक दाँव-पेच और चालबाजियाँ चलता है जिनके कारण शत्रु या प्रतिद्वन्द्वी राष्ट्र के लिए बड़ी-बड़ी उलझनें और समस्याएँ खड़ी हो जाती हैं।

शीत रश्मि पुं.सं. 1. चंद्रमा 2. कपूर।

शीत-रस पुं. (तत्.) ईख (गन्ने) के कच्चे रस से बनी हुई एक प्रकार की मदिरा जो प्राचीन युग

में बनाई एवं प्रयोग में लाई एवं बनाई जाती थी।

शीतरूच पुं. (तत्.) चंद्रमा।

शीतरूह पुं. (तत्.) सफेद रंग का कमल।

शीतल वि. (तत्.) 1. शीत उत्पन्न करने वाला, सर्द, ठंडा विलो. उष्ण 2. कुछ ठंडक हो जिसमें, यथा-शीतल समीर 3. जो ठंडक या शीतलता प्रदान करता हो 4. जिसमें आवेश न हो, शांत 5. प्रसन्न 6. संतुष्ट।

शीतलक पुं. (तत्.) 1. मरुआ, मरुवक 2. कुमुद 3. वि. शीतल करने वाला।

शीतल चीनी स्त्री. (तत्.) कबाब चीनी।

शीतलच्छाय वि. (तत्.) दे. शीत-च्छाय।

शीतलता स्त्री. (तत्.) 1. शीतल होने की अवस्था, गुण, धर्म या भाव 2. जड़ता।

शीतलताई पुं. (तत्.) शीतलता।

शीतलत्व स्त्री. (तत्.) एक बढिया तथा सुंदर चटाई जो कलात्मक एवं पतली, चिकनी होती है।

शीतल-भंडार पुं. (तत्.) 1. यंत्र एवं उपकरणों से संचालित किए जाने वाले ऐसे भंडार गृह, जिनमें कृत्रिम रूप से तापमान को अनुकूलित किया जाता है ताकि उसमें रखी जाने वाली वस्तुएँ ताप के दुष्प्रभाव से सुरक्षित रहें 2. शीतागार, सर्दखाना।

शीतलहर पुं. (तत्.) 1. सामान्यतः शीतकाल में चलने वाली वह ठंडी हवा जो शरीर को चुभती है 2. सर्दी या बरसात आदि के कारण चलने वाली वह ठंडी हवा जो लहर या झोंको की तरह गतिमान होती है।

शीत-लहरी स्त्री. (तत्.) दे. शीत-तरंग, शीत-लहर।

शीतला स्त्री. (तत्.) 1. एक ऐसा जन-रोग जिसमें शरीर पर दाने या फफोले निकल आते हैं 2. दाने या फफोले निकल आने वाले इस रोग से मुक्ति पाने हेतु जिस शक्ति अधिष्ठात्री देवी की पूजा की जाती है, शीतलता माता या देवी 3.